एक लकुवे से मारा व्यक्ति यीशु से मिला

बच्चों को सिखायें कि यीशु मसीह उन्हें बचाना चाहता है।

बच्चों की कोई भी सीखने वाली क्रियाओं में से एक चुनें।

एक बड़ा बच्चा और शिक्षक लकुवे से मारे व्यक्ति की कहानी पढ़ें जो यीशु से मिला, **मरकुस 2:1-12** में से ये हमें बताती है कि हम कैसे अपने मित्रों को यीशु से मिलाने में सहायता कर सकते हैं जो इन्हें बचा सकता है।

कहानी सुनाने के बाद ये प्रश्न **पूछें:**

- यीशु ने क्या किया जब उन्होंने सुना कि यीशु आया है? (देखें आयत 2)
- बीमार व्यक्ति के मित्र उसे यीशु के पास कैसे लाये? (4)
- यीशु ने उसके मित्रों में क्या देखा? (5)
- पहले यीशु ने बीमार व्यक्ति से क्या कहा? (5)
- कानून के शिक्षकों ने यीशु के शब्दों के बारे में क्या सोचा? (7)
- यीशु ने कैसे दर्शाया कि पापों को माफ करने की शक्ति है? (10-12)

यीशु को लकुवे के व्यक्ति को चंगा करते हुये दिखाने का नाटक खेलें मरकुस 2:1-12 अपने (प्रयास करें बच्चों के साथ नाटक तैयार करने में। सारे भाग प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं है।

- **बड़े बच्चे** और बालक इन भागों को करें:

  वर्ण न करने वाला: कहानी बतायें और अभिनय करने वालों को याद करायें कि उन्हें क्या कहना है।

  यीशु

  छोटे बच्चे इस को करें:

  लकुवे से मारा व्यक्ति

  चार मित्र

  लोग

  कानून के शिक्षक

नाटक, भाग 1, मरकुस 2:1-4

वर्णन करने वाला : पहले भाग कहानी को बतायें (आयतें 1-4) कहें, "सुनो बीमार व्यक्ति के दोस्त क्या कहते हैं"

पहला मित्र : "यीशु उस घर के अन्दर है, हम अपने झोले से मारे मित्र को यीशु के पास ले चलें यीशु उसे अच्छा कर सकता है।" (चारों मित्र उस बीमार व्यक्ति को उठाने का बहाना करें)

दूसरा मित्र : पर वहाँ तो बहुत सारे लोग है! "हम कैसे घर में घुस सकते हैं?"

तीसरा मित्र : हम कैसे अपने मित्र को उठाकर घर के अन्दर घुस सकते हैं।

चौथा मित्र : चलो हम छत पर चढ़ जाते हैं और उसमें एक छेद करते हैं फिर हम उसको रस्सी के द्वारा नीचे लटका सकते हैं।

मित्र : (चारों) कुर्सियों या मेज़ पर खड़े होकर छत के पत्थर हटाने का बहाना करें।

नाटक, भाग 2, मरकुस 2:5-7

वर्णन करने वाला : कहानी का दूसरा भाग बतायें (आयतें 5-7) कहें "सुनो लोग क्या कहते हैं"

लोग : "देखो! वे व्यक्ति छत में छेद कर रहे हैं"

"यहाँ मुझ पर धूल गिर रही है!"

"देखो वे किसी को चारपाई पर बिठाकर नीचे कर रहे हैं!"

"वह मेरे सिर के ऊपर आ रहा है"

"हट जाओ! उसको थोडी सी जगह दें।"

लकुवे से भारा व्यक्ति वहाँ लेट जाता है जहाँ चारों मित्र काम कर रहे हैं।

यीशु : ऊपर देख कर कहता है, "मित्रों, मैंने तुम्हारे विश्वास को देखा" (नीचे देखता है, व्यक्ति को छूता है) कहता है, "पुत्र तेरे पाप क्षमा हुये"

शिक्षक : क्रोध से बात करें कहें, "ये व्यक्ति के पाप कैसे क्षमा कर सकता है? ये अपने आपको क्या सोचता है?"

नाटक, भाग 3, मरकुस 2:8-12

वर्णन करने वाला : कहानी का तीसरा भाग बतायें (आयतें 8-12) कहें "सुनो यीशु क्या कहता है"

यीशु : भीड़ से कहे: "मैं तुमको दिखाऊँगा कि मैं कैसे पाप क्षमा कर सकता हूँ "झोले के मारे हुये से कहाँ उठ और चल!"

झोले से मारा व्यक्ति : प्रभु की महिमा है: मैं चल सकता हूँ। (चल कर देखे) "देखो अब मैं लकुवे से मारा हुआ नहीं रहा! और मेरे पाप भी क्षमा हो गये!"

लोग : हम प्रभु की स्तुति करते हैं! "हमने इस तरह से कभी नहीं देखा!"

वर्णन करने वाला : ये घोषणा करें कि नाटक समाप्त हो गया हैं। प्रत्येक का धन्यवाद करें जिन्होंने सहायता की श्रोताओं का धन्यवाद करें सुनने के लिये

अगर में सभ्यता के मुताबिक भंजून है तो एक बच्चा श्रोताओं से पूछे: वह कौन से तरीके हैं जिनके द्वारा यीशु हमें बुराई की शक्ति से हमारे जीवन को बचाता है। (लोगों को उदाहरण देने दीजिये।)

कलीसिया के अगुवों के साथ मिलकर बच्चों के लिये तैयार करें

- आराधना समय के मध्य में श्रोताओं के लिये नाटक प्रस्तुत करें।
- उन प्रश्नों को पूछें जो इस अध्ययन के आरम्भ में दिये हुये हैं।
- कविता या और कुछ जो उन्होंने तैयार किया हो वे प्रस्तुत करें।

कविता: तीन बच्चे कविता की तरह भजन 25:1,2 और 7 आयत कहें।

तेरे लिये हे परमेश्वर मैं अपनी आत्मा उठाता हूँ।

हे मेरे परमेश्वर तुझ में मैं विश्वास करता हूँ; मुझे बेइज्जत न होने दें:

मेरे शत्रुओं को मुझ पर हंसने न दे।

मेरी जवानी के गुनाहों को और अपराधों को याद न कर अपने अनन्त प्रेम में मुझे याद कर, अपनी अच्छाई के कारण हे प्रभु!

एक पतंग का चित्र बनायें।

- बड़े बच्चे को कहें कि वे छोटों की सहायता करें इसे उतारने में। वे इस आराधना के समय में श्रोताओं को ये दिखा सकते हैं।
- उन्हें ये समझाने दे कि ये खाली गुम्बज दर्शाता है कि परमेश्वर हमें कैसे शैतानी और बीमारी के परिणामों से बचाता है।

समझायें इस जीवन में जो सदा के लिये रहता है। फिर भी यीशु हमें नया अच्छा जीवन देता है।

याद करें लूका 19:10

कविता : तीन बच्चे कविता की तरह भजन 25:1,2 और 7 आयतें बतायें।

बड़े बच्चे एक कविता गीत और संक्षिप्त कहानी लिखें और कोई गवाही चंगे होने की जो उन्होंने देखी हो, और कैसे यीशु उनके हृदयों में आया।

प्रार्थना : "प्रिय प्रभु हम धन्यवाद करते हैं आपकी शक्ति का जो हमें शैतानी बातों पर विजय प्राप्त कराती है। आप हमें चंगाई देते हैं और हमेशा हमारे पापों को क्षमा करते हैं। धन्यवाद हमारी बुराईयों को हमारे हृदयों में से निकालने के लिये और एक नये जीवन प्रदान करने के लिये जो मृत्यु के बाद भी जीवित